न्यायालय जिला कलक्टर, बारां (राज0)

पीठासीन अधिकारीः– श्री रोहिताश्व सिंह तोमर (आई.ए.एस)

प्रकरण संख्या 24 / 2025

बउनवान

सरकार जर्ये रमेश चंद मीणा, प्रवर्तन अधिकरी, (अटरू) (प्रार्थी)

बनाम

श्री राम प्रसाद पुत्र श्री केसरी लाल, निवासी गायत्री नगर अटरू, जिला बारां (अप्रार्थी)

प्रार्थनापत्र अन्तर्गत आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 6(ए) के तहत

उपस्थिति :– 1. पेरोकार रसद (प्रार्थी)

निर्णय दिनांक 16.05.2025

प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रकरण संक्षेप में इस प्रकार है कि दिनांक 07.03.2025 को घरेलू गैस सिलेण्डरों के बढते व्यावसायिक दुरूपयोग की शिकायत के क्रम में प्रार्थी श्री राम गरम कचौरी अटरू बस स्टेण्ड पर पहुंचे मौके पर श्री राम प्रसाद पुत्र श्री केसरी लाल, निवासी गायत्री नगर अटरू उपस्थित मिले जिनके सामने जांच की गई। जांच में मौके पर घरेलु गैस सिलेण्डर का दुरूपयोग किया जाना पाया गया। मौके पर घरेलू गैस सिलेण्डर पेट्रोलियम गैस (वितरण का विनियमन) आदेश 2000 के भाग 3 के बिन्दु संख्या 3,4,5 व 7 का उल्लंघन पाये जाने पर एक घरेलू गैस सिलेण्डर मौके पर जब्त सरकार कर रूबरू मैसर्स हिल व्यू गैस एजेन्सी अटरू की सुपुर्दगी में दिया जाकर सुपुर्दगीनामा लिखा गया।

इस प्रकार अप्रार्थी का यह कृत्य राजस्थान पेट्रोलियम उत्पाद (अनुज्ञापन व नियत्रंण) आदेश 1990 के खण्ड 3(1) तथा द्रवित पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण का विनियमन) आदेश 2000 के खण्ड 3(2) का स्पष्ट उल्लंघन है। अतः उपरोक्तानुसार जब्तशुदा गैस सिलेण्डर को आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत राजसात की कार्यवाही कर निस्तारण फरमावें।

इस पर प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थी को धारा 6(बी) आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत नोटिस जारी किया गया। अप्रार्थी ने स्वंय उपस्थित होकर जवाब इस आशय का पेश किया कि प्रार्थी बस स्टेण्ड अटरू पर चाय पकौड़ी का ठेला लगाकर अपना व अपने परिवार का पेट पालन करता आ रहा है इसके अलावा आय का कोई जरिया नहीं है। प्रार्थी अपने ठेले पर कॉमर्शियल गैस सिलेण्डर रखकर अपना वव्यवसाय करता चला आ रहा है, प्रार्थी ने घरेलू गैस सिलेण्डर का किसी तरह से दुरूपयोग नहीं किया है। प्रार्थी के ठेले के पास ही एक घरेलू गैस सिलेण्डर रखा हुआ था जिसे जांच के दौरान जब्त कर लिया गया। अतः प्रार्थी के विरूद्ध की गई कार्यवाही निरस्त फरमाई जाकर प्रार्थी के जब्त किये गये गैस सिलेण्डर को दिलाया जावे।

हमने बहस उभयपक्ष पेरोकार रसद एवं उपस्थित अप्रार्थी स्वंय की सुनी।

दौराने बहस पेरोकार रसद ने प्रार्थना पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए कथन किया कि अप्रार्थी ने घरेलू गैस सिलेण्डरों का व्यावसायिक उपयोग कर राजस्थान पेट्रोलियम उत्पाद (अनुज्ञापन व नियत्रंण) आदेश 1990 के खण्ड 3(1) तथा द्रवित पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण का विनियमन) आदेश 2000 के खण्ड 3(2) का उल्लंघन किया है। अतः जब्तशुदा एक गैस सिलेण्डर को आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत राजसात किये जाने के आदेश दिये जावें।

Signature Not Verified

Digitally signed by Rohitashva Singh Tomar
Date: 2025.06.26 17:01:19 IST
Reason: SelfAttested

जिला कलक्टर
बारां (राज०)

3

बहस के दौरान अप्रार्थी स्वंय ने कथन किया कि प्रार्थी श्री राम गरम कचौरी अटरू ...ण्ड पर स्थित ठेले पर प्रार्थी चाय पकौड़ी आदि का व्यवसाय कर अपना व अपने परिवार का ...लन करता आ रहा है इसके अलावा आय का कोई जरिया नहीं है। प्रार्थी भविष्य में कभी भी ...लू गैस सिलेण्डर का उपयोग व्यावसायिक हेतु नहीं करेगा उक्त गलती के लिये प्रार्थी क्षमाप्रार्थी ...। अतः अप्रार्थी के विरूद्ध की गई कार्यवाही निरस्त फरमाकर अप्रार्थी की दुकान से जब्त किया गया गैस सिलेण्डर अप्रार्थी की सुपुर्दगी में दिये जाने का आदेश प्रदान करें।

हमने बहस उभयपक्ष पर मनन किया सम्पूर्ण पत्रावली का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। अप्रार्थी ने बहस के दौरान स्वंय घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यावसायिक उपयोग किया जाना स्वीकार किया है। ऐसी स्थिति में प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किये जाने योग्य पाया जाता है।

परिणामस्वरूप प्रार्थनापत्र प्रार्थी स्वीकार किया जाकर, जिला रसद अधिकारी, बारां को निर्देश दिये जाते है कि जप्तशुदा HPCL गैस सिलेण्डर नम्बर 376372, का उपयोग व्यावसायिक कार्य हेतु किया गया है, इसलिये अप्रार्थी/सुपुर्दगीदार से जप्तशुदा गैस सिलेण्डर की सिक्योरिटी राशि मय जुर्माना राशि प्रति गैस सिलेण्डर 2500/– रूपये यानि एक गैस सिलेण्डर की कुल 2500/– रूपये लिये जाकर जप्तशुदा घरेलू गैस सिलेण्डर को वापस लौटाया जावे। यदि अप्रार्थी जप्तशुदा गैस सिलेण्डर को उक्तानुसार राशि जमा करवा कर वापस नही लेता है तो अप्रार्थी से व्यवसायिक गैस की दर से घरेलू गैस सिलेण्डर की अन्तर राशि नियमानुसार प्राप्त करें एवं प्राकृतिक गैस विभाग द्वारा अपने पत्र दिनांक 22.6.07 द्वारा राज्य सरकार के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, जयपुर के प्रदत्त निर्देशानुसार उक्त जप्तशुदा गैस सिलेण्डर को संचालक मैसर्स हिल व्यू गैस एजेन्सी अटरू को कीमत पर दिया जाकर उक्तानुसार प्राप्त राशि नियमानुसार राजकोष में जमा करवायी जावें।

निर्णय आज दिनांक 16.05.2025 को लिखाया जाकर सरे इजलास सुनाया गया।

न्यायालय जिला कलेक्टर बारां

(रोहिताश्व सिंह तोमर)
जिला कलक्टर,बारां
जिला कलक्टर बारां (राज०)

Signature Not Verified

Digitally signed by Rohitashva Singh Tomar
Date: 2025.06.26 17:01:19 IST
Reason: SelfAttested